आंधी-तूफान का तांडव, बारिश के साथ गिरे बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर

कई इलाके अंधेरे में डूबे

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। जिले के प्रेमसर क्षेत्र और उसके आसपास के इलाकों में आज अचानक मौसम ने अपना रौद्र रूप दिखाया। तेज आंधी-तूफान के साथ हुई झमाझम बारिश ने जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी तरफइस प्राकृतिक आपदा ने क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था और जनजीवन को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आज दोपहर बाद अचानक आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते अत्यधिक तेज रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने लगी। तूफान का वेग इतना भयानक था कि प्रेमसर क्षेत्र के कई गांवों और मुख्य रास्तों पर लगे बिजली के भारी-भरकम खंभे (पोल) ताश के पत्तों की तरह उखड़कर जमीन पर आ गिरे। कई जगहों पर भारी लोड वाले ट्रांसफार्मर भी खंभों समेत ढह गए, जिससे हाई-टेंशन और लो-टेंशन लाइन के तार टूटकर खेतों और सड़कों पर बिखर गए।

ट्रांसफार्मर और पोल ध्वस्त होने की वजह से प्रेमसर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में पूरी तरह से ब्लैकआउट की स्थिति बन गई है। बिजली गुल होने से न केवल घरों में अंधेरा छा गया है, बल्कि मोबाइल नेटवर्क और पेयजल आपूर्ति (पानी की सप्लाई) भी पूरी तरह से ठप हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के तार टूटने से बड़ा हादसा भी हो सकता था, लेकिन गनीमत रही कि उस समय कोई वहां मौजूद नहीं था।

पेड़ गिरने से रास्ते बंद, गरीबों के आशियाने उजड़े : तेज आंधी के कारण सड़क किनारे लगे कई पुराने पेड़ भी जड़ से उखड़कर मुख्य मार्गों पर गिर गए, जिससे आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया है। इसके अलावा, कई ग्रामीण इलाकों में कच्चे मकानों के छप्पर और टिन शेड हवा में उड़ गए, जिससे गरीब परिवारों को खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर होना पड़ा है। खेतों में भी तेज हवा और पानी की वजह से नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

बिजली विभाग की टीम को सूचना, सुधार कार्य की मांग

घटना के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीणों द्वारा बिजली कंपनी (विद्युत मंडल) के अधिकारियों और कर्मचारियों को इसकी सूचना दी गई है। चूंकि नुकसान काफी बड़े पैमाने पर हुआ है, इसलिए बिजली बहाल होने में लंबा समय लग सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और बिजली विभाग से मांग की है कि सड़कों और खेतों में टूटे पड़े तारों को जल्द से जल्द हटाया जाए ताकि कोई मवेशी या इंसान इसकी चपेट में न आए। अतिरिक्त टीमें लगाकर नए खंभे और ट्रांसफार्मर खड़े किए जाएं और बिजली व्यवस्था को तत्काल बहाल किया जाए। तूफान से प्रभावित गरीब परिवारों के नुकसान का सर्वे कर उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मिलेगी नि:शुल्क कोचिंग

ग्वालियर, 30 जून। शासकीय संभागीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, ग्वालियर द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की नि:शुल्क ऑफलाइन कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी 14 जुलाई तक निर्धारित प्रारूप में आवेदन कर सकते हैं। कक्षाओं का संचालन 15 जुलाई से प्रारंभ होगा। प्राचार्य, शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र ने बताया कि प्रशिक्षण के अंतर्गत एमपीपीएससी (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा), बैंकिंग, रेलवे, एसएससी, पुलिस, बीमा तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। सामान्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए प्रशिक्षण अवधि 8 माह तथा एमपीपीएससी के लिए 12 माह निर्धारित की गई है।

अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हुई कार, बाल-बाल बचीं जानें

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। जिले के दांतरदा गांव के पास से आज सुबह-सुबह एक बड़े सड़क हादसे की खबर सामने आई है। यहाँ एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। दुर्घटना इतनी खतरनाक थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन गनीमत रही कि एक बड़ा हादसा होने के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई।

जानकारी के अनुसार, यह सड़क हादसा आज तड़के सुबह दांतरदा गांव के मुख्य मार्ग के पास घटित हुआ। दुर्घटनाग्रस्त हुई कार का नंबर डच13 7018 बताया जा रहा है। सुबह के समय अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े।

आमतौर पर इतने खतरनाक हादसों में गंभीर चोटें या जनहानि की आशंका रहती है, परंतु इस घटना में सबसे बड़ी राहत और चमत्कार की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ईश्वर की असीम कृपा से इस हादसे में किसी भी व्यक्ति की जान नहीं गई है और न ही कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि सुबह के समय दृश्यता (विजिबिलिटी) कम होने या रफ्तार तेज होने के कारण अक्सर ऐसे मोड़ पर संतुलन बिगड़ जाता है। ग्रामीणों ने वाहन चालकों से अपील की है कि ग्रामीण इलाकों और मोड़ों के पास गाड़ियों की रफ्तार धीमी रखें ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके। फिलहाल घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दे दी गई है।

पेयजल समस्याओं निराकरण के लिए कन्ट्रोल रूम संचालित

श्योपुर, 30 जून। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में पीएचई विभाग श्योपुर द्वारा ग्रीष्मकाल में पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु कन्ट्रोल रूम संचालित है। पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए कन्ट्रोल रूम प्रभारियों को मोबाइल नंबर पर सूचना प्रदान की जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री पीएचई अफजल अमनुल्ला ने बताया कि जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम के लिए सहायक यंत्री ओपी नागर मोबाइल नंबर 6265429914, बडौदा तहसील के लिए

प्रभारी अधिकारियों को दे सकते हैं सूचना

कन्ट्रोल रूम प्रभारी उपयंत्री विजय प्रजापति मोबाइल नंबर 9410633887, कराहल तहसील क्षेत्र के लिए कन्ट्रोलरूम प्रभारी उपयंत्री विजय प्रजापति मोबाइल नंबर 9410633887, विजयपुर-वीरपुर तहसील क्षेत्र के लिए सहायक यंत्री आरपीएस सेंगर मोबाइल नंबर 9977643280, वीरपुर तहसील के लिए उपयंत्री बीएस राठौर मोबाइल नंबर 7828066069 तथा विजयपुर तहसील क्षेत्र के लिए उपयंत्री देवेन्द्र मित्तल मोबाइल नंबर 8305940363 को सूचना प्रदान की जा सकती है। इसके साथ ही जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम में पदस्थ कर्मचारी रामदयाल टैगोर मोबाइल नंबर 9753287281, कराहल तहसील के लिए अनिल बंसल मोबाइल नंबर 9754541609, वीरपुर तहसील में कुलदीप बंसल मोबाइल नंबर 9009961128, विजयपुर तहसील में बाइसराम धाकड़ मोबाइल नंबर 9753675535 को अवगत कराया जा सकता है।

स्कॉर्पियो-ऑटो की टक्कर, ऑटो के उड़े परखच्चे

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। सलापुरा क्षेत्र में आज एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ऑटो के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त (चकनाचूर) हो गया, वहीं स्कॉर्पियो का अगला हिस्सा भी बुरी तरह डैमेज हो गया है। इस हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी भीड़ जमा हो गई।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सलापुरा क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर यह दुर्घटना घटित हुई। तेज रफ्तार में आ रही स्कॉर्पियो कार और सामने से आ रहे ऑटो के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हुई। टक्कर लगते ही ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क किनारे जाकर पलट गया। स्कॉर्पियो को भी इस हादसे में भारी नुकसान पहुंचा है।

घायलों को भेजा गया अस्पताल

हादसे की सूचना मिलते ही सलापुरा थाना पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। ऑटो में सवार यात्रियों को गंभीर चोटें आने की आशंका है, जिन्हें तुरंत एम्बुलेंस की मदद से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है। दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए मार्ग पर जाम की स्थिति बन गई थी, जिसे पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर बहाल कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सड़क के अभाव में किसानों की बढ़ी मुश्किलें,

श्योपुर, 30 जून। ग्राम गोहेड़ा, सोंठवा एवं नागरगावड़ा के ग्रामीणों ने वर्षों से लंबित नागरगावड़ा से पड़ासला हनुमान मंदिर तक लगभग 2 किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग को लेकर जिला कलेक्टर महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क तीनों गांवों के किसानों और आमजन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी इसका निर्माण नहीं होने से लोगों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि मात्र 2 किलोमीटर सड़क नहीं होने के कारण कई किसानों को अपने खेतों तक पहुंचने के लिए 25 से 30 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। सबसे अधिक परेशानी बारिश के मौसम में होती है, जब पूरा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो जाता है। ट्रैक्टर, बाइक और अन्य वाहन रास्ते में फंस जाते हैं, जिससे खेती-किसानी का कार्य पूरी तरह प्रभावित होता है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार किसानों को खाद, बीज और कृषि उपकरण अपने सिर पर उठाकर कीचड़ भरे रास्तों से पैदल खेतों तक ले जाने पड़ते हैं। आधुनिक दौर में भी किसानों की यह स्थिति अत्यंत पीड़ादायक है। समय पर खाद और बीज खेत तक नहीं पहुंच पाने से खेती प्रभावित होती है और किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है।

बस स्टैंड बना परेशानी का अड्डा

श्योपुर, 30 जून। श्योपुर के रघुनाथपुर बस स्टैंड पर इन दिनों अव्यवस्थाओं का आलम देखने को मिल रहा है। बारिश के बाद बस स्टैंड परिसर में जगह-जगह कीचड़ जमा हो गया है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बस का इंतजार करने वाले यात्रियों को कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को हो रही है। कई जगह फिसलन की स्थिति बनी हुई है, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थान पर साफ-सफाई और जल निकासी की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन लंबे समय से इस समस्या का समाधान नहीं किया गया है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द कीचड़ हटाकर रास्तों को दुरुस्त किया जाए और यात्रियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। अब सवाल यह है कि जिम्मेदार विभाग कब जागेगा और रघुनाथपुर बस स्टैंड की इस समस्या से लोगों को कब राहत मिलेगी।

ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जल सहेजने के लिये कार्य

ग्वालियर। सरकार द्वारा गत 19 मार्च से 30 जून तक चलाए गए जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जल सहेजने के लिये कार्य कराए गए। जिले में कुल 18 हजार 704 कार्य हुए। इनमें से नगर निगम ग्वालियर के 12 हजार 11 कार्य शामिल हैं। ग्वालियर में अभियान के तहत एक हजार 'अमृत मित्र' बनाए गए हैं, जो जल संरक्षण व संवर्धन कार्य में सहयोग के साथ-साथ शहरवासियों को पानी बचाने के लिये जागरूक भी कर रहे हैं। शहर में अभियान के तहत 3008 जल नमूनों की गुणवत्ता की जांच, 1959 पाइपलाइनों व सीवेज के लीकेज सुधार एवं 655 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं का निर्माण कराया गया।

सड़क निर्माण में लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। जिले के अंतर्गत आने वाले विजयपुर क्षेत्र के जमुर्दी गांव से विकास कार्यों में बड़ी लापरवाही और भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर आवाज उठाते हुए आरोप लगाया है कि गांव में बनाई जा रही पक्की सड़क के निर्माण में भारी धांधली की जा रही है।

जमुर्दी गांव के स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क पर जो डामर (डामरीकरण) डाला जा रहा है, वह बेहद पतली और घटिया परत का है। ठेकेदार और संबंधित अधिकारियों द्वारा केवल फॉरमैलिटी यानी औपचारिकता पूरी करने के लिए आनन-फानन में काम निपटाया जा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, इस तरह की कमजोर सड़क पहली ही बारिश या भारी वाहनों के गुजरने से उखड़ जाएगी, जिससे सरकारी पैसे का सीधा दुरुपयोग हो रहा है। ग्रामीणों ने इस बदहाली का वीडियो और तस्वीरें साझा करते हुए सीधे तौर पर प्रदेश की बीजेपी सरकार और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा है। उनका कहना है कि एक तरफसरकार गड्ढा मुक्त और मजबूत सड़कों के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत यह है कि ठेकेदारों की मनमानी और भ्रष्टाचार के कारण जनता को उसका हक नहीं मिल पा रहा है।

जमुर्दी और विजयपुर क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन और लोक निर्माण विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि इस सड़क निर्माण कार्य को तुरंत रोककर इसकी गुणवत्ता की जांच की जाए। भ्रष्टाचार में लिप्त ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफसख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

जल संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, सचिव सम्मानित

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन समारोह विकासखण्ड श्योपुर की ग्राम पंचायत मठेपुरा के ग्राम चौंडपुर स्थित बावडी पर आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र जाट, ग्राम पंचायत के सरपंच श्रीमती ललिता वैष्णव, सीईओ जनपद एसएस भटनागर, परियोजना अधिकारी विक्रम जाट, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक श्रीमती नेहा सिंह, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती नीतू गौतम सहित विभिन्न पंचायतों के सरपंच, अन्य पचायत पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे। जिला स्तरीय कार्यक्रम के दौरान अभियान के तहत उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, सचिवों एवं अन्य अधिकारियों को प्रशस्ती पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

चौंडपुर बावडी पर आयोजित जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद ने कहा कि गत 19 मार्च से जारी जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत तालाब, डगबैल रिचार्ज, कुए एवं बावड़ियों के जीर्णोद्धार, अमृत सरोवर, रूफवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम आदि जल संरक्षण के कार्य किये गये है, जिसमें पंचायतों के पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, समूह की महिलाओं तथा पंचायत विभाग के अमले की महत्वपूर्ण भागीदारी रही है। इसके अंतर्गत जिले में 2536 कार्य पूर्ण कर लिये गये है। उन्होने कहा कि साढे तीन माह तक चले इस अभियान के तहत जिले में सैकडो जल संरचनाओं को पुर्नजीवन प्रदान करने का कार्य किया गया है। पुराने कुओं को रिचार्ज करने के साथ ही बावडियों की साफ-सफाई कर उन्हें उपयोगी बनाया गया है। अभियान से प्राचीन कुएं, बावडियों के स्वरूप में निखार आया है। अभियान के तहत लगभग 20 बावडियों एवं कुओं का रिनोवेशन कार्य पूर्ण किया गया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जुलाई 2026 से वीबी जी राम जी योजना का शुभारंभ हो रहा है, जिसमें 318 प्रकार के कार्य कराये जाने का प्रावधान किया गया है।

सड़कों पर कीचड़ का कब्जा, ग्रामीण परेशान

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। बारिश के मौसम में ग्रामीण इलाकों की बदहाल व्यवस्थाओं की तस्वीरें अक्सर सामने आती हैं, लेकिन श्योपुर जिले की ग्राम पंचायत सुमरेरा में हालात अब भी चिंता का विषय बने हुए हैं। गांव के कई रास्तों पर जमा कीचड़ और गंदे पानी के कारण ग्रामीणों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, रास्तों पर कीचड़ इतना बढ़ गया है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई व्यवस्था और जल निकासी को लेकर जिम्मेदार विभागों द्वारा समय पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

कीचड़ और जलभराव से जहां आवागमन प्रभावित हो रहा है, वहीं बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द साफ-सफाई, नाली निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि गांवों के विकास और बेहतर सुविधाओं के दावों के बीच जमीनी हकीकत अलग नजर आ रही है। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन इस समस्या पर कब तक कार्रवाई करता है और ग्रामीणों को इस परेशानी से कब राहत मिलती है।

भैंस चोर गिरोह का पर्दाफाश, एक आरोपी दबोचा, 3 अब भी फरार

श्योपुर/विजयपुर, 30 जून। जिले की गसवानी पुलिस ने भैंस चोरी के बड़े मामले का खुलासा करते हुए अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। पुलिस ने ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 1 लाख 80 हजार रुपए कीमत की 9 चोरी की भैंसें सकुशल बरामद कर लीं। इस कार्रवाई में भैंस चोर गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार किया गया है, जबकि तीन आरोपी अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

दिनदहाड़े बाड़े से उड़ाया था पूरा माल

जानकारी के मुताबिक 15 जून को ग्राम बुड़ेरा निवासी लालपति आदिवासी के हार (बाड़े) से दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। बदमाश वहां से 4 भैंस, 2 थोरिया, 2 पड़िया और 1 पड़वा चुराकर फरार हो गए। चोरी गए पशुओं की कुल कीमत करीब ?1.80 लाख आंकी गई। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पीड़ित की शिकायत पर गैसवानी थाने में मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मुखबिर की सूचना पर जंगल में दबिश मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित की गई। लगातार निगरानी और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि चोरी का माल बुड़ेरा-खुरजन के जंगल में दबई पुल के पास छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर जंगल में दबिश दी और वहां से चोरी गई सभी 9 भैंसें बरामद कर लीं। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने सेहू उर्फ रमेश गुर्जर पुत्र भूरा उर्फ रघुनाथ गुर्जर, निवासी ग्राम मरा जिला मुरैना को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात में शामिल अन्य साथियों के नाम भी उगले हैं। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार इस वारदात में शामिल तीन अन्य आरोपी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश होगा। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक भारत सिंह गुर्जर के नेतृत्व में टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम में उनि. आशा सिंह मोर्चा, आरक्षक सुनील पाण्डे, नीरज गुर्जर, दशरथ गुर्जर, साजन खान और रंजीत राठौर की विशेष सराहनीय भूमिका रही।

भरोसी को मिलेगा संबल का लाभ, ईपीओ जारी

पीएम आवास की दूसरी किश्त का हुआ एफटीओ, उर्मिला आदिवासी का नाम बीपीएल में जोड़ने के निर्देश

नवभारत न्यूज

श्योपुर, 30 जून। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशानुसार सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद एवं अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय ने जनसुनवाई के दौरान आये आवेदको की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। इस जनसुनवाई में 366 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती भरोसी बाई के आवेदन का मौके पर ही निराकरण करते हुए अवगत कराया गय कि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत दो लाख रूपये की अनुग्रह राशि स्वीकृत हो गई है और ईपीओ जारी हो गया है, सिंगल क्लिक के माध्यम से राशि का भुगतान सीधे बैंक खाते में होगा। हितग्राही श्रीमती भरोसी बाई निवासी कराहल द्वारा अपने पति स्व. तुलसीराम आदिवासी की बीमारी से मृत्यु होने पर मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह राशि प्रदाय किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

इसी प्रकार हितग्राही सत्यनारायण बैरवा निवासी इच्छापुरा के आवेदन का निराकरण करते हुए संबल योजना में लाभ देने के निर्देश दिये गये। आवेदक ने बताया कि उसकी पत्नि स्व. श्रीमती विंतोष बाई बैरवा की करंट लग जाने से मृत्यु हो गई थी, इस मामले में बिजली विभाग से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर

मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत अनुग्रह राशि स्वीकृत किये जाने के निर्देश सीईओ जनपद श्योपुर को दिये गये।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम महाराजपुरा निवासी मंगु आदिवासी तथा घनश्याम सुमन निवासी खिरखिरी को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत वृद्धावस्था पेंशन का लाभ दिये जाने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग के अधिकारियों को दिये गये। उप संचालक श्रीमती शशिकिरण इक्का को निर्देशित किया गया कि दोनो आवेदनों का पंचायत के माध्यम से परीक्षण कराकर पात्रतानुसार लाभ प्रदान करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। इसके साथ ही श्रीमती माया मीणा पत्नि गिर्राज मीणा निवासी सोईकलां एवं श्रीमती मूर्ति बाई पत्नि नरोत्तम मीणा निवासी उदोतपुरा को आवास की मांग संबंधी आवेदन का परीक्षण कर जानकारी दी गई कि पीएम आवास सर्वे 2.0 में नाम जोड दिया गया है तथा अगले चरण में आवास योजना का लाभ प्राप्त होगा।

जनसुनवाई के दौरान श्रीमती उर्मिला आदिवासी ग्राम कलोनी महाराजपुरा का नाम बीपीएल सूची में जोडने हेतु तहसीलदार बडौदा सुरेश राठौर को निर्देशित किया गया। इसके अलावा ग्राम मूंझरी निवासी श्रीमती विमला आदिवासी को पोषण आहार राशि प्रदाय किये जाने के निर्देश दिये गये। आवेदक श्री रावत ने बताया कि खरीफ 2025 अंतर्गत धान फसल के लिए उनका बीमा प्रीमियम काटा गया था, धान की फसल में नुकसान होने पर उन्हें बीमा कंपनी से क्लेम दिलाया जाए।

अवैध कोचिंग और हॉस्टलों पर कार्रवाई की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

विजयपुर, 30 जून। शिक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ा मुद्दा सामने आया है। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोमवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में संचालित अवैध कोचिंग संस्थानों और प्राइवेट हॉस्टलों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस दौरान स्कूल संचालकों ने बच्चों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर गंभीर चिंताएं जताईं।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने अपने ज्ञापन में आरोप लगाया कि विजयपुर ब्लॉक में कई कोचिंग संस्थान बिना मान्यता के संचालित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, इन संस्थानों के साथ निजी हॉस्टल भी चलाए जा रहे हैं, जहां बच्चों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं हैं। एसोसिएशन का कहना है कि स्कूल समय में संचालित हो रही कोचिंग व्यवस्था शिक्षा के नियमों पर भी सवाल खड़े कर रही है। ज्ञापन में साफ तौर पर कहा गया कि कई कोचिंग संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया जा रहा। बच्चों के लिए आवश्यक सुरक्षा उपकरण, व्यवस्थाएं और सुरक्षित परिवहन जैसी सुविधाएं नदारद हैं। ऐसे में कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। प्राइवेट स्कूल संचालकों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे सभी अवैध कोचिंग सेंटरों और निजी हॉस्टलों की जांच कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति गंभीर हो सकती है। इस मुद्दे के सामने आने के बाद विजयपुर के शिक्षा जगत में हलचल तेज हो गई है। अब सबकी निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं कि आखिर बच्चों के भविष्य और सुरक्षा के इस संवेदनशील मामले में प्रशासन कितना सख्त रुख अपनाता है।